



दोस्त 1: ये सा वागता है कि एक बच्चा कही दे रहा है।



पहले, हमने सोचा कि यह किसी के द्वारा लेना गया भवित था, लेकिन ऐसे-ऐसे हम पहसुख हमा का यह सब वास्तविक था।



एक रात एक लोस्ट युवे उड़ाने के लिए घर से बाहर ले गया।



दोस्त 1: अरे भाई, उड़ाने के लिए बाहर जाने दो।

दोस्त 2: नहीं भाई, मुझे पुरा करने के लिए असाइनमेंट मिला है।



दोस्त 1: नहीं आगे बढ़ने के लिए शायद कर सकता है।

दोस्त 2: ठीक है चलते हैं।

चलते समय एक घटे के बाद, मुझे पहसुख हमा का भय कान मेरे जैव में नहीं था।

दोस्त 1: अरे, क्या किसी ने मेरा फोन कही देखा है?

दोस्त 2: नहीं, बाध्यन जाते समय आपने हमे लोड दिया थोगा।

दोस्त 1: बहु जीव की लेकिन अभी भी इसे कही नहीं मिल रहा है।

मुझे आपका फोन बहुदी उधार लेने दो, मैं काशय करूँगा और बसे काल करूँगा।

मैं इस बैब की जीव की जीव पर इस बैठे थे,

पारक जैन काशी भाष्य के मैने अपने दोस्त के फोन का

इस्तमाल मुझे करने के लिए कहिये था।

दोस्त 2: अभूत्या का बाद काली ने बदाब दिया।



दोस्त 1: नहीं आगे बढ़ना चाहा था। लेकिन जवाब नहीं दे रहे हैं।

उन्होंने फोन से कोई जवाब नहीं दिया।

मैंने अंततः इसे एक खोय दूर करण के रूप में

मैं इसे बहु देखकर छोक गया !!

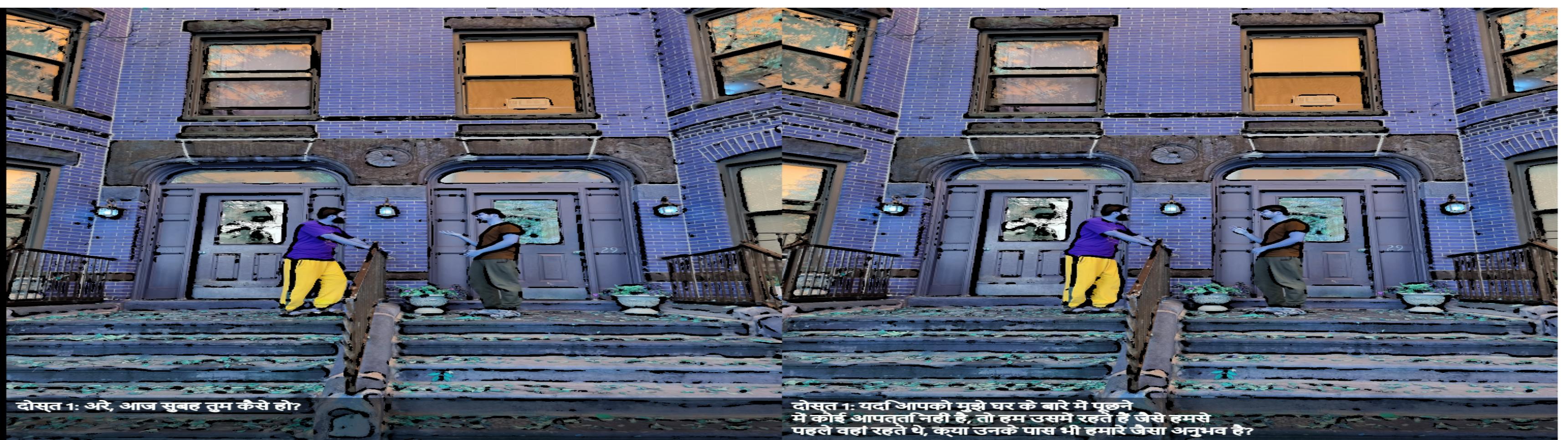
दोस्त 1: यह जब मैं चला गया तो मैंने इसे

अपने नामांकित पूरे छोड़ दिया दोस्त 2:

फर नरक ने मेरे कान से आपका काल करने उठाया।



पद्मोषियों से पछिले कवियोदायों के बारे में पूछने के बाद हमे पता चला कवितान लाएँगे का एक भवित्व। यहा रहता था, अपने नामा-पति के साथ एक छोटा लड़का।



दोस्त 1: अरे, आज सुबह तुम कैसे हो?

दोस्त 4: यदविआपको मुझे घर के बारे में पूछने में कोई आपत्तिहीनी है, तो हम उसमे रहते हैं जैसे हमसे पहले वहा रहते थे; कम्या उनके पास भी हमारे जैसा अनुभव है?

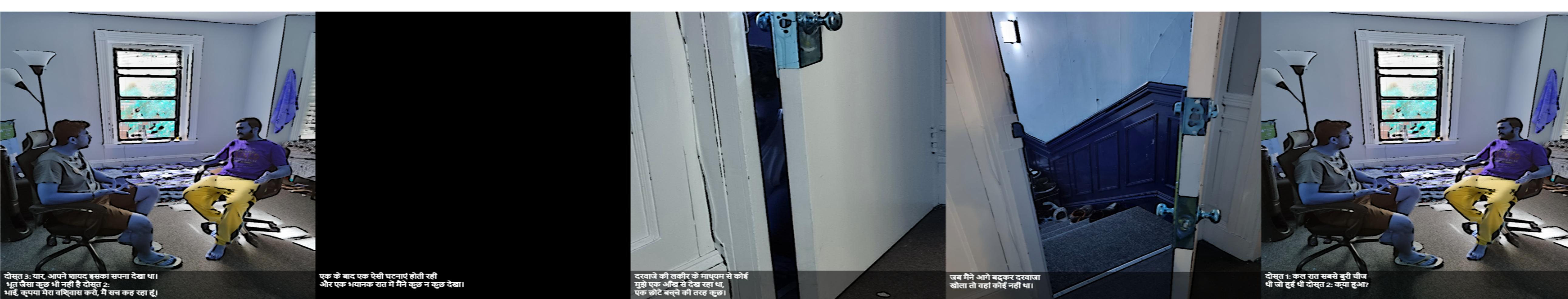
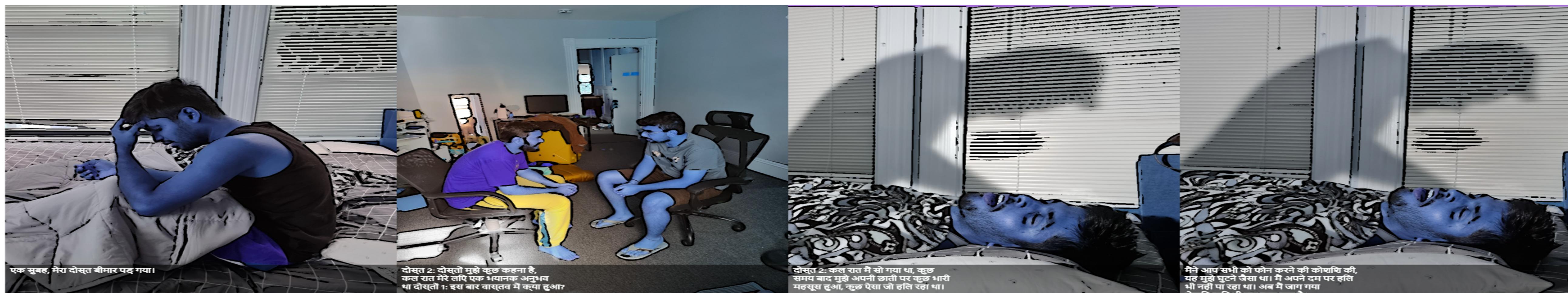


पद्मोषी: (पूरी कहानी सुनाता है)

दोस्त 1: अरे, बहुत बहु धन्यवाद। हमें पहले पहुँच नहीं पाया था। महु जान की लोड नीचीजो की बयान्या करता है, जैसे-आपका सहानु तैयार है। अगर आपको बहु चाहिए तो हमें बताएं।

दोस्त 1: ज्ञान, एक अचला दिन है। आप भी अचलदिन।

दोस्तों ने बहु की जीव को गह और उसमे से उपरी जीव की गह से पहुँच सुनकर हम सबमे जीव सत्तियमें हैं, लेकिन हमसे अपने दैनिक जीवन के साथ किया।



समाप्ति